North Trunk Road from Baihata Charali to Pasighat as National Highway

4194. SHRI RATTAN SINGH RAJDA:
SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR :
SHRI PIUS TIRKEY :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) is it a fact that Government of India have decided to take over the North Trunk Road from Baihata Charali to Pasighat in Arunachal as a National Highway ;

(b) if so, what is the total length of the proposed Highway and what is the probable cost that will be involved ; and

(c) whether Government intend to shorten the aligment by driving it over the Old Trunk Road of the North Bank of Assam which passes through permanently settled and agricultural belt of the region so that the people get an all-season road for greater transportation of their produces?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): (*a*) The road from Baihata Charali to Pasighat and beyond (via Tezu and Sitapani) terminating near Saikhoaghat, has been declared as National Highway No. 52 fror 1-9-1980.

(b) and (c). The total length of the National Highway is about 890 KMs; and the distance between Baihata Charali and Pasighat is about 570 Kms. Proposals and cost Estimates for developing the road to National Highway standards are under preparation. At present no specific change in the alignment is visualised. However such changes as are considered necessary and feasible based on techno-economic considerations will be examined while finalising the proposals.

बी एच ई एल द्वारा निर्मित जनरेटरों को अधिक भट्ठी तेल की आवश्यकता

4195. **श्री नन्द किशोर शर्मा** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि बी० एच० ई० एल० द्वारा सप्लाई किये गये नये 200 मेगावाट यूनिटों की प्रारम्भिक परिचालन अवधि के दौरान भारी मात्रा में भट्ठी तेल की आवश्यकता पड़ती है और क्या यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि डिजाइनों में सुधार करके तथा उसकी बनावट (मैन्युफैक्चरिंग) के दोषों को दूर करके तेल की खपत को कम किया जा सकता है ;

(ख) क्या सरकार और बी एच ई एल इस स्थिति से अवगत है; और

(ग) यदि हां, तो तेल की खपत में कमी करने के विचार डिजाइनों में सुधार करने हेतु क्या कदम उठाये गये हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत चानना) : (क) तथा (ख). जी, हां । सरकार और बी० एच० ई० एल० को स्थिति का पता है ।

(ग) भट्ठी के तेल की जरूरत काम करने के लिये बी एच ई एल प्रयत्न कर रहा है कम क्षमता के एक कोल फायर्ड बायलर पर हाल ही में परीक्षण करके सफलता प्राप्त की गई है, जहां जलाने से लेकर सहायक ईंधन के रूप में उत्पादक गैस का प्रयोग करके ईंधन तेल को समाप्त किया गया था । नई उच्च ऊर्जा प्रज्वलन प्रणालियों का विकास किया जा रहा है ।

आर० ए० पी० पी० के बंद हो जाने के कारण राजस्थान को हुई हानि

4196. **श्री दौलत राम सारण** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) परमाणु विद्युत केन्द्र के खराब हो जाने के बाद राजस्थान को आज तक विद्युत की कितनी हानि उठानी पड़ती है तथा इसके परिणामस्वरूप औद्योगिक तथा कृषि कार्य पर किस सीमा तक प्रभाव पड़ा है ; और